महाराणा प्रताप के नाम से ही मन में शक्ति, साहस और स्वाभिमान का संचार होता है: लोक सभा अध्यक्ष

...

महाराणा प्रताप सदैव देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे: लोक सभा अध्यक्ष

...

उत्तर प्रदेश देश की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक राजधानी: लोक सभा अध्यक्ष

...

उत्तर प्रदेश में प्रभावी नेतृत्व से विकास को एक नई दिशा: लोक सभा अध्यक्ष

...

गुरु गोरक्षनाथ ने तप और सेवा भाव से गोरखपुर की भूमि को समृद्ध किया: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित किया

...

गोरखपुर; 10 दिसम्बर, 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे।

श्री बिरला ने गोरखपुर को भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक नगरी बताते हुए गुरु गोरक्षनाथ जी को प्रणाम किया।उन्होंने आगे कहा कि गुरु गोरक्षनाथ ने अपने तप और सेवा भाव से गोरखपुर की भूमि के गौरव को राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाया है। महन्त दिग्विजयनाथ के योगदान का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि दिग्विजयनाथ जी ने देश में शिक्षित, सुसंस्कृत और भारतीय जीवन मूल्यों से समृद्ध युवा वर्ग के लिए इस शिक्षण संस्थान की स्थापना की। उन्होंने आगे कहा कि दिग्विजयनाथ जी ने अपनी संकल्प शक्ति के बल पर 52 से ज्यादा स्कूल, कॉलेज, टेक्निकल कॉलेज, कृषि कॉलेज, महिला कॉलेज- कई शिक्षण संस्थाओं की शुरुआत की।

भारत की महान संस्कृति में महाराणा प्रताप के योगदान के विषय में अपने विचार रखते हुए श्री बिरला के कहा कि देश के स्वाभिमान व् रक्षा के लिए साहस, पराक्रम और त्याग का परिचय देने वाले महाराणा प्रताप सदैव देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि महाराणा प्रताप के नाम से ही मन में शक्ति,

साहस और स्वाभिमान का संचार होता है और मातृभूमि के लिए प्रेम और समर्पण का भाव उत्पन्न होता है। श्री बिरला ने इतिहास में दर्ज महाराणा प्रताप के शौर्य का उल्लेख करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप ने तमाम अभावों और कठिनाइयों तथा विषम परिस्थितियों में मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संस्थापक सप्ताह समारोह की सराहना करते हुए श्री बिरला ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि होती ही एवं उनमें संस्कारों और देशभक्ति की भावना का भी विकास होता है।

संस्कार, स्वाभिमान, देश के प्रति समर्पण और बदलते युग के अनुसार आगे बढ़ने की क्षमता पर ज़ोर देते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत की समृद्ध विरासत, संस्कृति और समर्थ अध्यात्म, धर्म और युवाओं को प्रेरणा देने वाली व्यवस्था देश के उज्जवल भविष्य का मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने आगे कहा कि अध्यात्म, आंतरिक ऊर्जा, संस्कृति और संस्कारों में भारत सम्पूर्ण विश्व में सर्वोपरि है।

उत्तर प्रदेश को देश की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक राजधानी बताते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह राज्य देश के विकास में अग्रणी योगदान दे रहा है। उन्होंने आगे कहा कि प्रभावी नेतृत्व के कारण विकास को एक नई दिशा मिली है और विधि शासन एवं सशक्त शांति व्यवस्था से हर वर्ग को समृद्धि और खुशहाली का लाभ मिला है।

भारत द्वारा G - 20 देशों के नेतृत्व पर गर्व व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने कहा कि देश वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के आधार पूरे विश्व को एक प्लेटफॉर्म पर लाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की डेमोक्रेसी और डेमोग्राफी सबसे बड़ी शक्ति है। देश के युवाओं का आवाहन करते हुए श्री बिरला ने कहा कि युवा देश के विकास के लिए अपना सक्रिय योगदान दें। युवाओं के नैतिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास के साथ राष्ट्र के सामाजिक व समावेशी उत्थान के लिए समर्पित भाव से कार्य पर आयोजकों को बधाई देते हुए श्री बिरला ने उनकी भावी प्रयासों के सफलता की कामना की।

* जनप्रतिनिधियों को अमूल्य मार्गदर्शन देते हैं श्री बिरला: योगी आदित्यनाथ

लोक सभा अध्यक्ष का स्वागत करते हुए मुख्य मन्त्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माननीय अध्यक्ष श्री बिरला ने समाज सेवी एवं जन प्रतिनिधि के रूप में अपने लम्बे सार्वजनिक जीवन में आम जनमानस के हितों की रक्षा की है। उन्होंने आगे कहा कि देश-दुनिया में लोकतान्त्रिक मूल्यों को नया दृष्टिकोण देते हुए लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला देश के 135 करोड़ भारतवासियों के प्रतिनिधियों को अमूल्य मार्गदर्शन देते हैं।